हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई, 2025

11 डॉ. बीआर आंबेडकर चैरिटेबल ट्रस्ट ने 100 पौधे ...

12 दिल्ली व कोलकाता के फूलों से सजेगा जोगीवाला...

SHEORAN HOSPITAL
शयोराण अस्पताल
DR. VIJETA GREWAL SHEORAN
MBBS, MD (Medicine)
Ex-Senior Resident (Rheumatology)
Dr. RML Hospital, New Delhi
रूमेटॉइड आर्थराइटिस (गठिया बाय)
जल्द सलाह और सही इलाज़
की मदद से इससे होने वाली समस्याओं और जोड़ों को खराब होने से बचाया जा सकता है।
लक्षणों को पहचानिए
और बिना देर किए अपने रह्यूमेटोलॉजिस्ट की सलाह लीजिए
सूजन — एक या अधिक जोड़ों में (खास तौर पर हाथ के) लगातार सूजन बनी रहना
जकड़न — सुबह उठने के बाद जोड़ों की जकड़न 30 से अधिक मिनट तक बने रहना
दर्द — जोड़ों को दबाने पर दर्द होना
थकान — आराम करने के बाद भी बिना कारण थकान महसूस होना
पता-मिनी बाईपास रोड, S.K. Resort के पास भिवानी 7056189390, 9350780749

खबर संक्षेप

डुडीवाला नंदकरण में आज होगा रात्रि ठहराव

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर उपायुक्त मुनीश शर्मा और पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी का डुडीवाला नंदकरण गांव में रात्रि ठहराव का कार्यक्रम आज 21 जुलाई सोमवार को होगा। इस दौरान गांव की समस्याओं को सुना जाएगा और उनका समाधान भी किया जाएगा। साथ ही गांव के विकास को लेकर लोगों के सुझाव भी लिए जाएंगे।

व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह आज से

चरखी दादरी। रोजगार कार्यालय द्वारा युवाओं एवं छात्र वर्ग के लिए दिनांक 21 से 25 जुलाई तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में व्यावसायिक मार्गदर्शन सेमिनारों का आयोजन किया जाएगा। रोजगार अधिकारी शशि शर्मा ने बताया कि जिला के रोजगार कार्यालयों में व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदर्शनी एवं व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से अपील कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन आयोजनों में भाग लें एवं अपने करियर को उचित दिशा देने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। आयोजन का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित है।

नशीले पदार्थ के साथ युवक किया गिरफ्तार

भिवानी। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने हांसी से मादक पदार्थ लेकर बवानी खेड़ा आ रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी गांव मिलकपुर मौजूद थे। तभी पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति स्विफ्ट डिजायर में हांसी से बवानीखेड़ा की तरफ आएगा जिसके पास मादक पदार्थ हेरोइन है। सूचना के आधार पर स्विफ्ट डिजायर गाड़ी को रुकवाकर चेक किया गया जिसमें पुलिस टीम को मादक पदार्थ हेरोइन मिलने पर गाड़ी चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अनूप पुत्र बलवान निवासी वार्ड नंबर- 7 बवानी खेड़ा के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से 24 ग्राम 71 मिलीग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई है। आरोपी अनूप के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग थाना बवानी खेड़ा में पंजीबद्ध कर कार्यवाही अमल में लाई गई है वहीं पुलिस के द्वारा स्विफ्ट डिजायर गाड़ी को पुलिस कब्जे में लिया गया है।

ब्लॉक स्तर खेल प्रतियोगिता सिर पर,अधिकांश स्कूलों के खेल मैदानों में एक से डेढ़ फुट तक पानी भरा

बच्चे नहीं कर पा रहे अभ्यास, बाल खिलाड़ी कैसे करेंगे बेहतरीन प्रदर्शन

भिवानी। कन्या पाठशाला के कक्षा कक्षों में घुसा पानी। फोटो : हरिभूमि

■ इस बार जिले के खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन हो पाना असंभव सा लग रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकारी स्कूलों में बच्चों को शिक्षा के अलावा खेल स्पर्धा निखारने के लिए दी जा रही सुविधाएं गौण साबित होती नजर आ रही है। स्कूलों में खेलने का सामान तो है,लेकिन खेलने के लिए जगह नहीं बची है। स्कूल परिसर से बरसाती पानी की निकासी न होने की वजह से बच्चे रोजाना खेल का अभ्यास नहीं कर पा रहे है।

ब्लाक स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता 23 जुलाई से 25 अगस्त तक मुक्कमल करवाई जानी है। ऐसे में किस तरह से ब्लाक स्तर की प्रतियोगिता में बाल खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर पाएंगे। फिलहाल स्कूलों भवन के बरामदों में बच्चे थोड़ा बहुत अभ्यास कर रहे है। अगर यही स्थिति रही तो इस बार भिवानी जिले के खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन हो पाना असंभव सा लग रहा है। फिलहाल सभी खेल प्रशिक्षकों की नजरे ब्लाक स्तर के प्रतियोगिताओं के आयोजन की तिथियों पर टिकी है।

बताते हैं कि शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों में खेल स्पर्धाओं को तराशने के लिए 23 जुलाई से लेकर 25 अगस्त तक ब्लाक स्तर की खेलकूद की प्रतियोगिता का आयोजन कराए जाने के निर्देश दिए है। खेल कूद का आयोजन करने से पहले सभी स्कूलों के खेलने के इच्छुक बच्चों का अभ्यास करवाया जाता है। स्कूल में तैनात शारीरिक शिक्षक बच्चों का अभ्यास करवाता है और खेल की बारीकियां भी सिखाता है। ताकि बच्चे ब्लाक, जिला स्तर व प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर सके। पर इस बार अधिकांश स्कूलों के खेल मैदानों में बारिश का पानी जमा है। जिसके चलते बच्चों का अभ्यास का कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। कई स्कूलों में बच्चों का अभ्यास ही नहीं करवाया जा रहा है। जिसके चलते प्रतिभाओं का स्पर्धा को किस तरह से निखारा जा सकता है।

भिवानी। गांव तिगड़ाना के खेल स्टेडियम में जमा बारिश के पानी का दृश्य।

पानी निकासी की व्यवस्था नहीं

स्कूल के खेल मैदानों में बारिश का पानी जमा है। कई गांव के स्कूलों में एक फुट तो कई जगहों पर स्कूलों के खेल परिसर या स्टेडियम में डेढ फुट तक बारिश का पानी जमा है। उस पानी की निकासी के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं हो पा रही है। यहां तक कि पानी की निकासी के लिए पम्पसेट आदि की भी कोई व्यवस्था नहीं है। अगर यह पानी एक सप्ताह तक इसी तरह से जमा रहा तो इस बार बच्चों खेल के अभ्यास करने से पीछे रह जाएंगे। जिसका सीधा असर बच्चों के खेल स्पर्धा पर पडना तय है।

सांसद के पैतृक गांव तालु की कन्या पाठशाला में 15 दिन से भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

भिवानी। कन्या पाठशाला के खेल मैदान में भरा पानी दिखाता विद्यार्थी।

भारतीय जनता पार्टी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के नारे पर उस समय सवाल खड़े हो गए, जब भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह के पैतृक गांव तालु स्थित कन्या प्राथमिक पाठशाला में पिछले 15 दिन से जलभराव हैं और पाठशाला के कक्षा कक्षों सहित पूरे परिसर में लगभग ढ़ाई से तीन फुट पानी जमा हैं, जिससे छात्राओं की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीण जोगेंद्र तालु ने इस स्थिति के लिए गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने बताया कि बीते दिनों हुई बारिश से बवानीखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांव जलमग्न हो चुके है, जिसके लिए सरासर भाजपा सरकार जिम्मेवार है, क्योंकि सरकार ने बरसात से पहले पानी निकासी के लिए उछल-कूद में कमी नहीं छोड़ी, लेकिन जब जमीनी हकीकत पर सच्चाई पता चली तो सब उछल-कूद मात्र एक दिखावा साबित हुई, जिसका उदाहरण गांव तालु की कन्या प्राथमिक पाठशाला है। उन्होंने कहा कि बरसाती पानी की निकासी के लिए पाठशाला से

■ लाखों रुपये का पंप हाऊस चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट, नहीं हुआ आज तक चालू: तालु

महज 20 फुट की दूरी पर पंप हाउस स्थापित किया था, लेकिन पंप हाउस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। लाखों रुपये की लागत से बना पंप हाउस आज तक चालू नहीं हो पाया। जोगेंद्र ने मांग की कि जलभराव की स्थिति से पाठशाला के भवन को हुए नुकसान की भरपाई उन अधिकारियों से की जानी चाहिए, जिन्होंने पंप हाउस के कार्य को अधूरा छोड़ा और उसमें कथित रूप से गोलमाल किया।

एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव ने जलभराव को लेकर किया दौरा

भिवानी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय सचिव और बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप नरवाल ने बवानीखेड़ा के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य हाल की भारी बारिश के कारण क्षेत्र में उत्पन्न जलभराव की स्थिति का जायजा लेना और स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझना था। नरवाल ने गांव प्रेमनगर, जताई ,धनाना, घुसकनी, चांग और तिगड़ाना गांवों में जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान नरवाल ने जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों, विशेषकर किसानों, महिलाओं और बच्चों से मुलाकात की। ग्रामीणों ने बताया कि भारी बारिश के कारण सड़कों, खेतों और

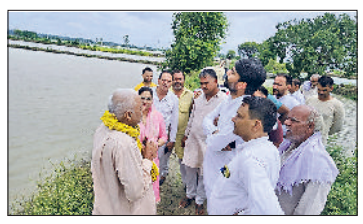

आवासीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में कठिनाई, किसानों को फसलों की क्षति और सामान्य आवागमन में बाधा जैसे मुद्दों को ग्रामीणों ने प्रमुखता से उठाया। नरवाल ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

नई बस्तीनिवासी नारकीय जीवन जीने को हैं मजबूर

भिवानी। हनुमान गेट पीपली वाली जोहड़ी स्थित नई बस्ती के लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम शिकायत सौंपते हुए पीपली वाली जोहड़ी क्षेत्र में बारिश व सीवरेज का पानी निकलवाने व गली को ऊपर उठवाने की मांग की है। इस बारे में सर्व समाज भाईचारा जनसेवा समिति भिवानी रजि. के महासचिव बलवान सिंह दरोगा ने बताया कि इस क्षेत्र में पिछले कई वर्षो से सीवरेज ब्लॉक है। जिसके चलते हमेशा सीवरेज का पानी ओवरफ्लो होता रहता है तथा बारिश के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह गली निचले एरिया में होने के कारण यहां पर जरा भी बरसात आते ही पानी भर जाता है। जो हालात इन दिनों यहां बना हुए है। उन्होंने कहा कि गली के सीवर का निकास ढ़ाणा रोड़ बूस्टर है तथा गली का सीवर आखिरी में पड़ता है।

उन्होंने बताया कि गली के सामने जो सड़क है, उसे ऊंचा उठा दिया गया है। जिसके कारण उनकी गली काफी नीची रह गई तथा अब जब भी बारिश आती है तो गली में पानी भर जाता है, जिसकी निकासी का भी कोई प्रबंध नही है। यही नहीं खड़े पानी में मक्खी-मच्छरों की भी भरमार रहती है, जिससे क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वे सब अपने ही घरों में कैद हो गए हैं।

सामाजिक न्याय जत्था 25 से शुरु करेगा यात्रा

■ सामाजिक कुरीतियों व महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ समाज में पैदा करेगा जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के आह्वान पर कैप्टन लक्ष्मी सहगल (आजाद हिन्द फौज की महिला कैप्टन) व प्रसिद्व समाजसेवी व कवि रविन्द्र नाथ टैगोर के स्मृति दिवस पर समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों व महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए 25 जुलाई से 7 अगस्त तक प्रदेशभर सामाजिक न्याय जत्था चलेगा।

ये जत्था 25 जुलाई को भिवानी से शुरू होकर 7 अगस्त को हिसार में खत्म होगा। जत्थे की शुरूआत में प्रजापति धर्मशाला हालुवास गेट पर सभा का आयोजन होगा, जिसमें जिलेभर से महिला कार्यकर्ता व संगठनों से गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। सामजिक न्याय जत्थें का उदघाट्न प्रसिद्व सामाजिक एवं राजनिति कार्यकर्ता सहबा फारूखी, भीम अवार्डी खिलाड़ी एवं जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, राज्य अध्यक्ष सविता, राज्य महासचिव उषा सरोहा संबोधित करेगी। सामाजिक न्याय जत्थे की सफलता के लिए शहीद भगत सिंह यादगार भवन भिवानी में जनसंगठनों की बैठक महिला नेत्री श्नेहलता की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जनवादी महिला समिति की जिला सचिव अनुराधा ने किया। जनसंगठनों ने सामजिक न्याय जत्थें की सफलता के लिए गांवों व मोहल्लों मे जन अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस मौके पर सामाजिक न्याय जत्थें में आने वाली नेताओं व गणमान्य नागरिकों व महिलाओं का स्वागत के लिए स्वागत समिति का गठन करते हुए कामरेड ओमप्रकाश को स्वागत संमिति का चैयरमैन बनाते हुए व आयोजन समिति का गठन किया। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारी संघ नेता राजबीर सिंह कादयान, नरेश शर्मा, कामरेड चन्द्रभान, किसान नेता कामरेड ओमप्रकाश, मनरेगा नेत्री उपासना, सीटू नेता कामरेड अनिल कुमार, पूर्व कर्मचारी व किसान नेता मास्टर शेरसिंह, नौजवान सभा नेता अनुराग, कर्मचारी नेता धर्मबीर भाटी, जनवादी महिला समिति की सचिव अनुराधा, स्नेहलता, मूर्ति, राजबाला, शारदा आदि शामिल हुई।

भिवानी। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की बैठक में विचार विमर्श करते पदाधिकारी व सदस्य।

धर्मशाला में कराटे प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ दिवेश और मनवीर ने प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई

रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में 24वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें डाक विभाग भिवानी के मुख्य प्रबंधक संजय वर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का हाथ मिलवा कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया और बताया कि भिवानी के खिलाड़ी हर खेल में आज राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सत्र पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। कराटे एक खेल ही नहीं बल्कि आत्मरक्षा का साधन है खासकर लड़कियों को इस खेल को अवश्य सीखना चाहिए। कराटे संघ के प्रधान भानु प्रकाश ने बताया 24वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता बहुत अच्छी तरह से करवाई गई । सचिव प्रवीण गहलोत ने बताया खिलाड़ियों ने अपने अपने आयु वर्ग में अपने प्रतिद्वंदी को हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया, जिसमें 30 किलो भार वर्ग में दिवेश व मनवीर ने फाइनल में जगह बनाई, रियांश व कर्तव्य, अरिजीत व गौतम, सूर्या व रूपेश, परमांश व हेमांक, नित्या व चेतना, प्रीत व चेतन्य, विवान व हर्षित, दिवेश व मानविक, आदि खिलाड़ियों ने अपने अपने भार वर्ग फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले कल खेले जाएंगे।

बहल के विकास को लगेंगे पंख, धरातल पर उतरने लगी सरकारी योजनाएं

बहल में नए बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

महाग्राम योजना के तहत कस्बे में सीवरेज सुविधा व पेयजल परियोजनाओं के विस्तार के लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने काम शुरू कर दिया है। विभाग द्वारा सुरपुरा रोड स्थित जलघर में एक टैंक के विस्तार का काम शुरू कर दिया है वहीं खंड विकास कार्यालय में एक नया बूस्टिंग स्टेशन बनाया जा रहा है जिससे खंड विकास कार्यालय सहित पास के क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी। बहल कस्बे में फिलहाल चार बूस्टिंग स्टेशन है जिनसे पूरे बहल को पानी की सप्लाई दी जा रही है। इनमें राजगढ रोड, पिलानी बाइपास रोड, काली माता मंदिर व ढाणी बहल में स्थित है। नई पेयजल परियोजना के तहत एक नया बूस्टिंग स्टेशन खंड विकास कार्यालय में बनाया जाना शामिल था।

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा इस नए बूस्टिंग स्टेशन का काम शुरू कर दिया है जिससे बहल कस्बे के लोगों को बेहतर पेयजल सुविधा की उम्मीद बनी है। विभाग इस नए बूस्टिंग स्टेशन में एक क्लियर वाटर टैंक बनाएगा जिसमें सुरपुरा रोड के जलघर से पानी आएगा। इसी पानी को इस बूस्टिंग स्टेशन से पानी को पंपिंग कर जरूरत वाले क्षेत्रों में सप्लाई दिया जाएगा। पूर्व मंत्री जेपी दलाल की मांग पर प्रदेश सरकार ने कस्बे में सीवरेज सुविधा व पेयजल परियोजना के लिए करीब 89 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। इसमें पेयजल परियोजनाओं पर करीब 52 व सीवरेज व्यवस्था पर करीब 37 करोड़ रुपये की राशि खर्च होनी है। जनस्वास्थ्य विभाग ने इन दोनों परियोजनाओं पर काम एक साथ शुरू किया है। विभाग द्वारा पहले से मौजूद चार बूस्टिंग स्टेशनों में एक एक क्लिर वाटर टैंक बनाया जाएगा व बूस्टिंग सिस्टम में सुधार किया जाएगा।

बहल। खंड विकास कार्यालय में बनाया जा रहा नया बूस्टिंग स्टेशन।

जुई डिस्ट्रीब्यूटरी से होगी जलघर में पानी की आपूर्ति

बहल कस्बे में पेयजल की आपूर्ति के लिए अभी तक बहल डिस्ट्रीब्यूटरी से मिले पानी से होती थी। लेकिन, नई व्यवस्था के तहत हरियावास गांव के समीप नहर विभाग के पांच नंबर पंप हाऊस के पास एक जनस्वास्थ्य विभाग एक नया पंप हाऊस बनाएगा और उसी से नई पाइपलाइन के जरिए सुरपुरा रोड के जलघर में पानी पहुंचाएगा। वहां से फिल्टरेशन प्रोसेस के बाद पानी को कस्बे के पांचों बूस्टिंग स्टेशन में डालकर कस्बे में पानी की सप्लाई दी जाएगी। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सीवरेज सिस्टम पर 37 करोड़ रुपये की राशि खर्च करेगा।

धनाना की बॉक्सर दर्शना व अन्य खिलाड़ियों ने शाह से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ हमें देश के खिलाड़ियों पर नाज : अमित शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारतीय पुलिस एंड फायर दल अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्यतिथि शिरकत की और टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। सभी खिलाड़ियों को 15-15 दिन की छुट्टी दी गई।

इस मुलाकात में गांव धनाना की बॉक्सर बहू दर्शना घणघस भी शामिल रही। मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का नाम पूरे विश्व में रोशन कर रहे हैं। हमें देश के खिलाड़ियों पर नाज है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाओं को लागू कर रही है, जिसका खिलाड़ियों को सीधा फायदा मिल रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उच्च शिक्षा के साथ-साथ अपने जीवन में खेल को भी अपनाए, जिससे हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है और देश में पदक की संख्या में बढ़ोतरी हो।

साहित्य

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

> *मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..*

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रैक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता | पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नजरों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे जाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे | नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं जिन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

ख़ुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेर: महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

पुस्तक :द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्त्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्त्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

बलराज बने ग्रामीण कमेटी के प्रधान

तोशाम। मिरान में रविवार को किसानों की बैठक महेन्द्र सिंह सिहाग की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन दिनेश सिहाग ने किया। बैठक का प्रमुख एजेंडा मिरान गांव की किसान सभा की ग्रामीण कमेटी का गठन करना था। पंचायत में सर्वसम्मति से ग्रामीण कमेटी का गठन किया, जिसमें बलराज सिंह को ग्रामीण कमेटी का प्रधान, मनजीत सिंह को सचिव तथा राजेश कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। कृष्णा देवी और संतोष वर्मा को उपप्रधान और सहसचिव चुना गया।

छात्र सिद्धार्थ ने तीरंदाजी में लहराया परचम

बवानीखेड़ा। सीबीएसई के तत्वावधान में चल रहे सीबीएसई नॉर्थ जोन- 2 तीरंदाजी चैंपियनशिप में बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानी खेड़ा के कक्षा दसवीं के छात्र सिद्धार्थ, पुत्र राजेश बवानी खेड़ा ने तीरंदाजी में अंडर- 17 लड़कों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई कर अपने माता-पिता, कोच अशोक मलिक एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। इन खेलों का आयोजन सीबीएसई क्लस्टर द्वारा सोनीपत में किया गया। छात्र के विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधन कमेटी एवं प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने छात्र की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी।

संयुक्त किसान मोर्चा का रोष प्रदर्शन जारी

बाढ़ड़ा। कस्बे के जुई रोड़ पर भाकियू द्वारा संचालित बेमियादी रोष प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा, जिसमें भागीदारी करते हुए किसानों ने सरकार द्वारा सुध न लेने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 24 जुलाई के झोझूकलां आगमन पर उनके समानांतर बाढड़ा के मुख्य क्रांतिकारी चौक पर या झोझूकलां में बड़ा रोष प्रदर्शन करने की रणनीति बनाकर किसान नेता राकेश टिकैत व हनुमान बैनीवाल को बुलाने का फैसला किया। धरने पर युवा कल्याण संगठन सरंक्षक कमल प्रधान, स्टोन क्रेशर एसोसिएशन अध्यक्ष सोमबीर घसौला सहित अनेक राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर किसानों की मांगों का समर्थन किया।

प्रतियोगिता में अंगनाराम शर्मा ने मार ली बाजी

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल द्वारा आयोजित श्रीरामचरित मानस प्रतियोगिता निर्णायक मंडल सर्वश्री पूर्णमल शर्मा, गणपतराय जसूजा, धर्मपाल वधवा, सुमेर सैनी की अध्यक्षता में एमसी कॉलोनी सेंट्रल पार्क में संपन्न हुई। मंडल के अध्यक्ष पदमसिंह चौहान ने बताया कि किष्किंधा कांड में मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम का नारी का सम्मान,धर्म की रक्षा, दोस्ती, हनुमान जी को जामवंत द्वारा शक्ति का याद दिलाना, बाली वध, सुग्रीव का राज्य अभिषेक प्रसंग की ओर जनमानस का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में अंगनाराम शर्मा ने प्रथम, डॉ. ओमप्रकाश चावला ने द्वितीय को मंडल के वरिष्ठ सदस्य सुभाष छाबड़ा, रामलाल सुखीजा, प्रेम रहेजा, मुरारीलाल शर्मा, विशम्बर शर्मा, सुरेश वधवा, सेवा प्रमुख अशोक कुमार ने विजेताओं को श्रीराम दरबार प्रतिमा एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा ने कहा : नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ संस्कारों की अधिक जरूरत

प्रयास संगठन के प्रतिभा सम्मान समारोह में सरकारी स्कूलों के 115 मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

लोहारू। मेधावियों को सम्मानित करते हुए। व द्वीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रयास-एक कोशिश सामाजिक संगठन के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय अनाज मंडी परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ पवन शर्मा ने राजकीय विद्यालयों के 10वीं व 12वीं में मेरिट हासिल करने वाले करीब 115 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने किया।

मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. पवन शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं, जब तक उसमें संस्कारों की नींव नहीं हो। शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण के साथ-साथ समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना भी है। सरकारी विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, प्रतिभा को पहचान कर उसको प्रोत्साहित करना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रयास एक कोशिश संगठन के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से सरकारी स्कूलों के छात्रों को वह मंच मिलता है, जिसकी उन्हें नितांत आवश्यकता होती है। विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र श्योराण, डिवीजनल अकाउंट ऑफिसर ने कहा कि संगठन का यह कार्य सामाजिक चेतना को मजबूत करने वाला है। सरकारी स्कूलों के छात्रों को सम्मान देने से न केवल उनका मनोबल बढ़ता है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी जाता है। स्टेट अवॉर्डी प्रवक्ता श्याम सुंदर सांगवान ने कार्यक्रम में प्रतिभाशाली बच्चों, उनके अभिभावकों और अध्यापकों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

बीईओ विजय प्रभा ने कहा कि प्रयास एक कोशिश जैसे संगठनों की सक्रिय भागीदारी से शिक्षा का स्तर तो सुधर ही रहा है, साथ ही सामाजिक सहयोग की भावना भी पुष्ट हो रही है। उन्होंने सभी शिक्षकों और अभिभावकों को भी इस प्रेरक कार्य में सहभागिता निभाने के लिए साधुवाद दिया।

संगठन संस्थापक मास्टर पवन स्वामी ने संगठन के कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रयास संगठन पिछले करीब 10 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

संगठन ने प्रतिभा सम्मान समारोह, निःशुल्क बुकबैंक, सुपर 100 की निःशुल्क तैयारी, खुशियों की दीवार, रिश्तों में गर्माहट, रिश्तों में मिठास, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, रक्तदान शिविर, सडक़ सुरक्षा जागरूकता अभियान जैसे अनेकों अभियानों को गति देकर समाज में नए आयाम बनाए हैं।

नन्हें-नन्हें बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी

संगठन के अध्यक्ष महेन्द्र कथूरिया, सचिव, डॉ जितेन्द्र जिंदल, कोषाध्यक्ष डॉक्टर उमेद जांगिड़ ने अतिथियों का स्वागत किया तथा संगठन के सभी सक्रिय सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन स्टेट अवॉर्डी मास्टर हरपाल आर्य ने किया। समारोह में सीबीएम के नन्हें नन्हें बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संगठन की ओर से मुख्य अतिथि और सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

स्वच्छ पर्यावरण के स्वप्न को पूरा करने को पौधरोपण व संरक्षण जरूरी : सूबेसिंह

डॉ. बीआर आंबेडकर चैरिटेबल ट्रस्ट ने 100 पौधे लगाए व 51 किए वितरित

पौधें लगाना व उनकी देखरेख करना हर मनुष्य का कर्तव्य : महता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पौधरोपण करते पर्यावरण प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

डॉ. बीआर आंबेडकर चैरिटेबल ट्रस्ट ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रविवार को गांव बापोड़ा में आंबेडकर भवन, संत शिरोमणि रविदास मंदिर, शमशान घाट में 100 पौधे रोपित किए और 51 पौधे ग्रामीणों को वितरित किए। रोपित किए पौधों के संरक्षण एवं देखभाल की जिम्मेवारी भी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने ली। इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें पौधों के संरक्षण का महत्व समझाना भी है।

ट्रस्ट के प्रधान सूबेसिंह, सचिव हरि ग्रेवाल व कोषाध्यक्ष दिनेश सभ्रवाल ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण के स्वप्न को पूरा करने के लिए केवल पौधारोपण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अक्सर लोग पौधे तो लगा देते हैं, लेकिन उचित देखभाल के अभाव में वे सूख जाते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे लगाए गए पौधों को अपने बच्चों की तरह पालें और उनकी नियमित देखभाल करें ताकि वे बड़े होकर गांव को हरा-भरा और स्वच्छ बना सकें। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी ऐसे ही पर्यावरण संबंधी और सामाजिक कार्यों को जारी रखेगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक कर स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय रूप से सभी की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पवन सभ्रवाल, नरेंद्र, अमित सभ्रवाल, विनय ग्रेवाल, नीरज ग्रेवाल, आशीष ग्रेवाल व राजीव आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन ने सिटी क्लब में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन दी हरियाणा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के सहयोग से हुआ। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने अमरुद, अनार, जामुन, कचनार, गुड़हल आदि के पौधे लगाए। रोटेरियन योगेश महता के पुत्र नन्हें दिव्यम ने भी पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दिया एवं आहुति डाली। आयोजन के प्रोजेक्ट चेयर रोटेरियन अशोक महता व राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी मास्टर लक्ष्मण गौड़ ने कहा कि पौधे लगाना व उनकी देखरेख करना हर मनुष्य का कर्तव्य है। हर व्यक्ति को वर्ष में पेड़ लगाने का प्रण लेना चाहिए। रोटरी क्लब भिवानी डाउनटाउन ने हर वर्ष की भांति वर्षा ऋतु में पौधरोपण का आयोजन किया। क्लब के उपस्थित सदस्यों के साथ साथ उपस्थित स्काउट्स ने भी लगाए गए पौधों की देखरेख का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हरियाणा स्काउट्स एंड गाइड्स ग्रुप के पारम्परिक बैंड से सलामी देकर किया। इस अवसर पर क्लब सचिव रोटेरियन निकिता असीजा, प्रवीण असीजा, दुर्गा असीजा, निकुंज, डॉ. मोनिका गोयल, डॉ. प्रेम कुमार चराया, डॉ. बुद्धदेव आर्य, सीपी चावला आदि मौजूद रहे।

बोर्ड परिसर में 51 फलदार व औषधीय पौधे लगाए

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 के तहत हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री भारत शर्मा, चेयरमैन, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, हरियाणा एवं विरेन्द्र कौशिक, भिवानी जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यतिथि के रूप में शिरकत की। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. (प्रो.) पवन कुमार एवं उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर ने मुख्यातिथियों का फटका पहनाकर स्वागत किया। बोर्ड अध्यक्ष ने एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण अभियान का शुभारम्भ किया तथा कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत रविवार 51 फलदार व औषधीय पौधे लगाए गए हैं तथा आगे 500 और पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पौधे जीवन का आधार है। पौधों से पर्यावरण में जहां शुद्धता आती है, वहीं मौसम भी नियंत्रित रहता है। वर्तमान में जब ग्लोबल वार्मिंग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में पेड़ लगाना आवश्यक हो गया है। इस अवसर पर चेयरमैन, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, हरियाणा भारत शर्मा ने पौधारोपण करते हुए बताया कि वृक्ष देव-तुल्य हैं तथा इन्हें पुष्पित व पल्लिवत होने में पूर्ण योगदान देना चाहिए। इनसे हमें जीवन-दायिनी ऑक्सीजन तो मिलती ही है साथ ही शाक-सब्जी व फल आदि के रूप में पोषण भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन की प्राण-वायु के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, स्वस्थ जीवन की परिकल्पना इनके बिना नहीं हो सकती। वृक्ष पर्यावरण संरक्षण-संतुलन के लिए अपरिहार्य हैं।

रिटायर अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा ने पांच पौधे लगाए

भिवानी। सेक्टर 23 निवासी श्रीपाल यादव ने अपनी पत्नी डॉ. सरोज यादव के साथ गांव पैंतावास स्थित बाबा छोटूनाथ मंदिर में सैंकड़ों पौधे लगाए। ये पहल उनके एक पौधा मां के नाम अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वे हर रविवार को ग्रामीणों के साथ मिलकर पौधरोपण कर रहे हैं। डॉ. सरोज यादव ने बताया कि भिवानी के शहरी क्षेत्रों में व्यापक पौधरोपण के बाद अब ये अभियान गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इस नेक कार्य में श्रीपाल यादव की माता शरबती देवी, मौसी संतरा, चाची संतरा, भाभी और गांव की अन्य चाची व ताई सहित अनेक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर एक-एक पौधा अपनी मां के नाम पर रोपा, जिससे ये अभियान और भी भावनात्मक और प्रेरणादायक बन गया। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, बल्कि गांव में सामुदायिक भागीदारी और हरियाली के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है। श्रीपाल और उनके परिवार का ये प्रयास अन्य लोगों को भी पौधरोपण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रेरित करेगा। इसी कड़ी में रविवार को रिटायर अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा पांच पौधे फलदार रोपित किए। इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा, रामसिंह, हर्ष, संदीप सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

योग साधकों को सम्मानित करते नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के पदाधिकारी।

योग कक्षा के साधकों को किया सम्मानित

भिवानी। मिनी बाइपास स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर परिसर में चल रही नियमित निःशुल्क योग कक्षा के योग साधकों को सम्मान समारोह में प्रमाण पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। यह आयोजन संस्था द्वारा समाज में योग को बढ़ावा देने और नियमित साधकों के समर्पण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में श्रीकृष्ण कृपा जिओ गीता के जिलाध्यक्ष नरेश आहूजा, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी आत्मप्रकाश टुटेजा,व भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयोजक केके वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले योग साधकों में योग प्रशिक्षक सूरज, नीरज, ललिता, शगुन, दीपिका, राजेंद्र सिंह, कुलदीप, प्रमिला, गीता, गुनगुन, मूर्ति देवी, दीपेश, राहुल, साहिल, मोनिका, सूबेदार मेजर उमेद सिंह आदि नियमित योगाभ्यास करने वाले श्रद्धालु शामिल रहे। गाचार्य बिजेश जावला ने कहा कि नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति न केवल निरोग रहता है, बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित होता है। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। संस्था की प्रधान उर्मिला सैनी ने कहा कि संस्था द्वारा प्रतिदिन प्रातः 5 से 6:30 बजे तक निःशुल्क योग कक्षा चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। मुख्यतिथि नरेश आहूजा ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन का दर्पण है, यह हमें कर्म के मार्ग पर चलने का संदेश देती है।

एसडीएम कार्यालय पर किसानों का महापड़ाव 5वें दिन भी रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

भिवानी। आयोजित धरने पर किसानों को संबोधित करते एक वक्ता।

विभिन्न किसान संगठनों एवं संयुक्त किसान मोर्चा भिवानी के आह्वान पर किसानों की मांगों को लेकर लोहारू एसडीएम कार्यालय पर अनिश्चित कालीन महापड़ाव रविवार को 5वें दिन में प्रवेश कर गया। किसान दिन-रात अपना टैंट लगाकर पड़ाव में बैठे हुए हैं तथा दिन भर लोहारू व जिले की अन्य जगह से किसानों के पड़ाव पर आने-जाने का तांता लगा हुआ हैं और रात को पड़ाव में ठहरने वाले किसानों के लिए गांव से आने वाले किसान खाना ला रहे हैं तथा महिला किसानों की संख्या भी बढ़ रही है।

5वें दिन के महापड़ाव की अध्यक्षता संयुक्त रूप से धर्मपाल गिगनाऊ, रोहताश झूंपा खुर्द, सुमेर सिंह व बलवंत खरकड़ी ने की। महापड़ाव को संबोधित करते हुए पूर्व जिला परिषद चैयरमैन राजबीर टोडा ढाणी, किसान नेता मास्टर जगरोशन, डा. बलबीर ठाकन, पूर्व प्रिसिंपल पृथ्वी सिंह गोठड़ा, अशोक आर्य एडवोकेट व धर्मपाल बारवास ने आरोप लगाया कि खरीफ फसल 2023 का क्षेमा कंपनी ने कृषि कल्याण विभाग के आला अफसरों से मिलकर भिवानी व दादरी के किसानों के साथ 350 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम के बारे बड़े फ्रॉड को अंजाम दे दिया तथा राज्य सरकार किसान हितों की उपेक्षा करके मूक दर्शक बनी हुई। महापड़ाव में दयानद मास्टर, सुरेश फरटिया, रामसिंह शेखावत, कृष्ण, राजेराम सरपंच खेड़ा, धर्मपाल फरटिया, उमेद फरटिया, सुरजभान, जगत फरटिया, रमेश दमकोरा, ईश्वर बिसलवास, धर्मपाल खरकड़ी, धर्मपाल झांझरिया, जय सिंह, मीर सिंह नंबरदार आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विधायक उमेद और अधिकारियों ने झोझूकलां खेल स्टेडियम का दौरा कर तैयारियों का लिया जायजा

बाढ़ड़ा। विधायक उमेद पातुवास ने जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 24 जुलाई के आगमन पर झोझूकलां में होने वाली रैली के आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया तथा पूरे पंडाल को वाटरप्रूफ टैंट से तैयार करने व गर्मी से बचाव के लिए पंखे लगाने का आदेश दिए। इस दौरान उन्होंने सीटीएम, एसडीएम व सभी विभागों के अधिकारियों,कर्मचारियों को प्रशासनिक दृष्टि से चाक चौबंद प्रबंध करने व भाजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी व मंडल अध्यक्ष शमशेर पंचगांवा, डॉ. अजय भांडवा को रैली में आने वाले आमजन विशेष कर महिलाओं को बिना परेशानी उनके कारिडोर तक आवागमन करने व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने खेल स्टेडियम परिसर मुआयना किया तथा अब तक की तैयारियों को लेकर राज्य मुख्यालय के अधिकारियों से विचार विमर्श किया। गांव झोझूकलां के खेल स्टेडियम में रैली की तैयारियों का अवलोकन करने पहुंचे विधायक उमेद पातुवास ने सभी अधिकारियों व देखरेख करने वाले पार्टी पदाधिकारियों से रैली के लिए अलग अलग तैयारियों चर्चा की।

गड्ढों से मिलेगी मुक्तिः गांव काकड़ोली हुक्मी से लाडावास, द्वारका, श्यामकला तक बनेगी नई सड़क

बाढ़ड़ा। कस्बे के काकड़ोली हुक्मी से लाडावास, द्वारका श्यामकला तक करीब 10 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्य पर लगभग 4.94 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रामीणों जितेंद्र, सुनील, नवीन कुमार, मुकेश, रमेश,विकास श्योराण, मुकेश, राजेश आदि ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क वर्षों से मरम्मत की बाट जोह रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कतें हो रही हैं। बारिश के दिनों में तो हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। कीचड़ और जलभराव के चलते वाहन चलाना जोखिम भरा हो जाता है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दोपहिया वाहन चालक सड़क पर बने गड्ढो के कारण आए दिन हादसे का शिकार हो रहे है। सड़क पर जगह-जगह बने गढडे लोगों के लिए मुश्बित बने है।

सीटू यूनियन ने बैठक कर मांगों को लेकर किया मंथन दो अगस्त को यूनियन ब्लॉक स्तर पर करेगी प्रदर्शन

बाढ़ड़ा। कस्बे की अनाजमंडी में सीटू की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता सीटू जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार धिकाड़ा ने की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान कमलेश भैरवी व सीटू जिला सचिव सुमेर सिंह धारणी ने कहा कि आगामी दिनों यूनियन के राज्य स्तरीय कार्यक्रम है, जिसको लेकर विचार विमर्श किया तथा 2 अगस्त को ब्लॉक स्तर पर भवन निर्माण कामगार युनियन का अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 10 जुलाई को प्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री अनिल विज द्वारा श्रम बोर्ड, कल्याण बोर्ड पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। पिछले तीन माह से सौ प्रतिशत हो चुके फार्मो व डीबीटी पर रोक लगा दी है। 90 दिन की वैरिफिकेशन कुछ अधिकारियों ने पंजीकृत निर्माण मजदूरों के वैरिफिकेशन के आदेश दिए व मजदूरों का पंजीकरण अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। वहीं जिन अधिकारियों या कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार किया उन पर कार्यवाही करने की बजाय मजदूरों को ही निशाना बनाया गया है, जो बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

तीन अस्पतालों में उपचाराधीन मरीजों को थी रक्त की जरूरत

इमरजेंसी में 12 युवाओं ने रक्त देकर बचाई मरीजों की जान

- युवाशक्ति नशे से दूर रहकर रक्तदान जैसे नेक कार्यों में खुद को लगाएं : रक्तवीर राजेश
- तीन अस्पतालों में उपचाराधीन मरीजों को थी अलग-अलग ब्लड ग्रुपों की जरूरत : डूडेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते शतकवीर रक्तवीर राजेश डूडेजा।

रविवार को भिवानी के तीन अस्पतालों में अलग-अलग ब्लड ग्रुप की जरूरत पड़ने पर 11 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। उनके द्वारा किए रक्तदान से सभी मरीजों को समय पर रक्त दिया जा सका। अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों ने शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा से सम्पर्क किया। उन्होंने तुरंत रक्त इमरजेंसी की सूचना व्हाट्सएप ग्रुप में डाली। इसी बीच रक्तदाताओं ने ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इन रक्तदाताओं में गुरुग्राम से वरिष्ठ पत्रकार संजय कुमार मेहरा, पत्रकार राकेश भटठी, हिमांशु, पवन, अवनीश, आशीष, सुरेंद्र, तुषार, प्रतीक बंसल, सोनू व संदीप आदि शामिल रहे। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रक्तदान किसी बड़ी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति और सड़क हादसे में घायल लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित होता है।

बड़ी बीमारी का खतरा होता है कम

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी बुराई से दूर रहकर समाजसेवा कार्यों में भाग लें और रक्तदान जैसे नेक कार्यों में खुद को लगाएं। रक्तवीर डुडेजा ने कहा कि रक्तदान करने से रक्त की कमी नहीं होती, बल्कि बहुत जल्द शरीर में नया रक्त बन जाता है। यह शरीर को अनेक बीमारियों, तनाव और डिप्रेशन से बचाता है। रक्तदान करने से शरीर में रक्त का संचलन सही तरीके से होता है, जिससे शरीर को लाभ मिलता है और किसी प्रकार की बड़ी बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है। उनका मानना था कि रक्तदान न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि ये स्वयं के शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद है। इस मौके पर लेब टेक्नीशियन कविता, अमरजीत सिंह, सतीश कुमार व केशव ने रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

स्वस्थ-बच्चा-स्वस्थ समाज की रीडः रविन्द्र

चरखी दादरी। शहीद धर्मेश सांगवान राजकीय माध्यमिक विद्यालय खेड़ी बत्तर में मुख्यध्यापिका पूनम बूरा के निर्देश अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्कूल हेल्थ मिशन के अंतर्गत इंचार्ज मास्टर रविंद्र सांगवान ने बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचाव के टिप्स दिए। उन्होंने बच्चों को बारिश के मौसम में सांवधानियों को लेकर विस्तार से समझाया। बच्चों को बताया कि ऐसे मौसम में मच्छर व मक्खी ज्यादा पनपने लगते हैं। इनसे बचाव हेतु हमें विशेष सांवधानियां बरतनी आवश्यक है। मास्टर रविंद्र सांगवान ने बताया कि मानसून का मौसम गर्मी से राहत प्रदान करने वाला होता है तो इस समय में अनेक रोग मलेरिया डेंगू आदि के फैलने का भी खतरा रहता है। मुख्य तौर पर मच्छरों के जरिए ये सभी बीमारियां फैलती है। इसके साथ ही मौसम ठंडा होने के चलते मच्छरों सहित मक्खियों व जीवाणुओं की संख्या में भी काफी इजाफा हो जाता है ऐसे में इन सभी रोगों से बचने के लिए सावधानियां अपनाना, स्वच्छता का अधिक से अधिक ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

खबर संक्षेप

शिक्षिका रजनीश को बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड

भिवानी। मंढोली कलां स्थित आर्य पब्लिक स्कूल में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान स्कूल प्रबंधक टीम सदस्य सुखविंदर सिहाग, राजेश धतरवाल व प्राचार्य कुलदीप श्योराण ने अध्यापिका रजनीश को बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड से सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल के बच्चे शिक्षा, खेलों व अन्य गतिविधियों में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। अध्यापिका रजनीश ने कहा कि उन्हें जो मान-सम्मान दिया है। उसकी वे आभारी रहेंगी तथा बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में और अधिक प्रयास करेंगी।

सन्नी नामदेव को लगाया असिस्टेंट एडवोकेट जनरल

तोशाम। तोशाम निवासी एडवोकेट सन्नी नामदेव को सरकार ने असिस्टेंट एडवोकेट जनरल लगाया है। जिसको लेकर परिजनों सहित क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि अधिवक्ता सन्नी नामदेव ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में 2016 से अपनी वकालत शुरु की और 2017 में बार एसोसिएशन में एग्जीक्यूटिव मेंबर इलेक्शन लड़ा इस दौरान सन्नी नामदेव सबसे कम उम्र के संगठन में एग्जीक्यूटिव मेंबर बने । 2023 में खजांची पद के लिए पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट बार में दोबारा से किस्मत को आजमाने के लिए इलेक्शन लड़ा और 3623 मत में से 2673 मत हासिल कर पंजाब प्रांत निवासी अपने प्रतिद्वंदी को हराकर भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा मार्जिन 1723 मतों से जीत हासिल की थी ।

प्रयास ए गुलजार कार्यक्रम के तहत लगाए पौधे

भिवानी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, देवराला में जेएनवीडी एलुमनाई एसोसिएशन के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रयास ए गुलजार कार्यक्रम के अंतर्गत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में 500 से अधिक फलदार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार ने स्वयं भी पौधरोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और इस सराहनीय पहल के लिए एलुमनाई एसो. का धन्यवाद व्यक्त किया।

इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला आज भिवानी में

भिवानी। इनेलो संगठन को मजबूत करने और पार्टी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला 21 जुलाई को भिवानी जिलs के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगी। सुनैना चौटाला सुबह साढ़े 10 बजे लोहारू में जारी किसान आंदोलन में, सुबह साढ़े 11 बजे बाढड़ा में जारी किसान आंदोलन में पहुंचेंगी। दोपहर एक बजे स्थानीय जाट धर्मशाला पहुंचेंगी।

जोगीवाला शिव मंदिर में गौमुख, गंगोत्री व हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंचेंगे शिवभक्त

दिल्ली और कोलकाता के फूलों से सजेगा जोगीवाला शिव मंदिर का शिवालय, छोटी काशी में 1000 से अधिक कांवड़ चढ़ेंगी : वेदनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भगवान शिव के सबसे प्रिय सावन माह में आने वाले शिवरात्रि पर्व का शहर व जिलेभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस पर्व के लिए मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं शिवभक्त जिले में कांवड लेकर पहुंचने लगे हैं। इस बार शिवरात्रि पर्व 23 जुलाई को मनाया जाएगा। दो दिन से डाक कावड़ियों ने भी छोटी काशी से हरिद्वार से गंगाजल के लिए प्रस्थान शुरू कर दिया है। छोटी काशी के प्रसिद्ध जोगीवाला शिव मंदिर धाम में कांवड़ियों के ठहरने, खाने, पीने की व्यवस्था महंत वेदनाथ महाराज द्वारा की गई है।

जोगीवाला शिव मंदिर में कांवड़ियों के ठहरने खाने, पीने व चिकित्सा की व्यवस्था : महंत वेदनाथ

आजकल युवाओं में डाक कांवड़ का चलन ज्यादा

छोटी काशी भिवानी में शिवरात्रि पर्व पर 1000 से अधिक कांवड़ चढ़ने की संभावना है। शिवरात्रि पर जोगीवाला शिव मंदिर के शिवालय को दिल्ली व कोलकाता के मंगवाए गए फूलों से सजाया जाएगा। शिवभक्त नियमों का कठोरता से पालन करते हुए हरिद्वार, गोमुख व नीलकंठ से कावड़ लाकर शहर के जोगीवाला शिव मंदिर के अलावा शिवालयों में गंगाजल चढ़ाएंगे। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक कांवड़ लाकर शिव रंग में रंगे दिखाई दे रहे हैं। कांवडियों ने बताया कि जिस दिन से कांवड़ कंधे पर उठाई जाती है, उसी दिन से लहसुन व प्याज खाने पर प्रतिबंध होता है। खड़ी कांवड़ को दिन-रात कंधे पर उठाकर रखना पड़ता है, इसलिए दो या दो से अधिक व्यक्ति खड़ी कांवड़ लेकर आते हैं। वहीं झूला, बैठी कांवड़ को मात्र एक व्यक्ति भी ला सकता है। भोजन व विश्राम के समय झूला कांवड को किसी पेड़, पाइप आदि पर झूलाया जाता है, जबकि बैठी कांवड़ को स्वच्छ स्थान पर रख दिया जाता है। आजकल युवाओं में डाक कांवड का चलन ज्यादा हैं, वे जहां से गंगाजल उठाते वहां समय और स्थान निर्धारित करते घंटों के हिसाब से डाक कांवड़ लेकर चलते हैं, जिसमें 25 से 30 युवाओं की टोली होती हैं, जो डाक लगाते एवं दौड़ते हुए कांवड़ को लेकर आते हैं।

भिवानी। डाक कांवड़ के लिए रवाना होता शिवभक्तों का जत्था। फोटो: हरिभूमि

मंदिर की सजावट होगी आकर्षण का केंद्र

मंदिर महंत वेदनाथ महाराज ने बताया कि सिद्धस्थल जोगीवाला शिव मंदिर में शिव दरबार व शिवालय को दिल्ली, कोलकाता से मंगवाए गए फूलों से सजाया जाएगा। पूरे शिव परिवार दरबार सहित मंदिर को भव्य रूप देने के लिए तैयारी जोरों पर है। इस बार शिवरात्रि पर सजावट का विशेष आकर्षण रहेगा। मंदिर परिसर की कमल, गुलाब, गेंदा व मोगरा सहित अनेक फूलों से सजावट की जाएगी। सुबह-शाम मंदिर में भव्य आरती के साथ ही भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। सावन माह के चलते श्रद्धालुओं की संख्या रोजाना बढ़ रही है।

हर्षोल्लास से मनाया सिखों के आठवें गुरुश्री गुरु हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व

पांच वर्ष की आयु में ही गुरु हरकिशन साहिब ने संभाल ली थी गुरुगद्दी

गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धालुओं ने श्रीगुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष टेका मत्था, लगाई अरदास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पुरानी देवसर चुंगी स्थित गुरुद्वारा साहिब में सिखों के आठवें गुरुश्री गुरु हरकिशन साहिब का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति, सेवाभाव एवं हर्षोल्लास से मनाया। सुबह से ही श्रद्धालु गुरुद्वारा साहिब में पहुंचने लगे। सुखमनी साहिब के पाठ के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम में मुख्य ग्रन्थी भाई सतनाम सिंह ने भावपूर्ण गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को भावविभोर कर दिया। कीर्तन के पश्चात शब्द की अरदास की गई और गुरु साहिब के उपदेशों को याद करते हुए संगत ने सेवा एवं विनम्रता का संकल्प लिया। गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजाए गए। कीर्तन दरबार में संगत को गुरु के संदेशों का स्मरण करवाया गया।

रागी जत्था से भाई प्रेमसिंह ने गुरुजी के जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि गुरु हरकिशन साहिब ने मात्र पांच वर्ष की आयु में गुरुगद्दी संभाली थी और अपने छोटे से जीवन में सेवा, करुणा एवं सच्चाई का महान संदेश दिया। दिल्ली में जब चेचक की महामारी फैली, तब गुरुजी ने बीमारों की सेवा कर उन्हें जल एवं आशीर्वाद दिया, जिससे उन्हें बाला पीर कहा जाने लगा। वे सिख इतिहास के सबसे कम उम्र के गुरु बने। कम उम्र के बावजूद गुरू हरकिशन ने असाधारण बुद्धिमत्ता एवं आध्यात्मिक समझ प्रदर्शित की, जिससे सिख समुदाय को चुनौतीपूर्ण समय में मार्गदर्शन मिला। गुरु साहिब की शिक्षाओं को याद करते हुए ज्ञानीजनों ने कहा कि श्रीगुरु हरकिशन साहिब ने अपने अल्पायु जीवन में भी सेवा और करुणा की मिसाल कायम की। महामारी के समय बीमारों की सेवा कर उन्होंने मानवता की रक्षा की। कार्यक्रम के अंत में लंगर की विशेष व्यवस्था की गई। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के प्रधान प्रेम मुटरेजा ने बताया कि आयोजन हर वर्ष की तरह श्रद्धा एवं अनुशासन से संपन्न हुआ। श्रीगुरु हरकिशन ध्याइये, जिस डिठे सब दुःख जाए पावन वाणी के साथ संगत ने गुरु साहिब को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भिवानी। गुरूद्वारा साहिब में श्रीगुरू हरकिशन के प्रकाश पर्व पर श्रीगुरू ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेकते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

भिवानी। गुरूद्वारा साहिब में गुरूवाणी का पाठ करता रागी जत्था।

भिवानी। गुरूद्वारा साहिब में गुरूवाणी पाठ सुनते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान प्रेम मुटरेजा, बलदेव सिंह, सरदार कृष्ण सिंह, ज्ञानसिंह बागड़ी, लवप्रीत सिंह, लक्ष्मण फोरमैन, उपप्रधान गगनीश चावला, आराध्या, खजाची गुलशन चानना, विजय सनेजा, अरविंद सिंह, रमन बागड़ी, जोगिंदर रखेजा, धर्मबीर बत्रा, हन्नी शर्मा, भीष्म खन्ना, पंथ सिंह, गुरमीत सिंह, जग्गी, हरबंस कौर, पूजा कौर, हर्ष कौर, अलका कौर, सुमन चावला, शोभा बत्रा, ज्योति, शालू, नम्रता व नीरू सनेजा ने पवित्र सेवा में योगदान दिया।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विधायक घनश्याम सर्राफ व अन्य।

शहीदों की कुर्बानियों की बदौलत ले रहे हैं आजादी की सांसें: सर्राफ

- कार्यक्रम में सुनी लोगों की समस्याएं,जल्द हो जाएगा समस्याओं का समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि शहीदों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने देश की आजादी के लिए अनेक यातनाएं सही। देश की आजादी के लिए जानकी बजी लगा दी और शहादत देकर देश को आजाद करवाया। उनकी शहादत की बदौलत हम आजादी की सांसे ले रहे ये। उनकी कुर्बानियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे आज विद्यानगर में आयोजित शहीद मंगल पांडे की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा शहीदों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करके उनको श्रद्धांजलि अर्पित करे। वहीं सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समय समय पर कार्यक्रम का आयोजन करके उनको याद करना चाहिए। शहीदों की बदौलत वे आज यहां तक पहुंचे है।

जल्द होगा समाधान: विद्यानगर के लोगो ने कालोनी की सीवर,पानी,बिजली के डीली तारों की शिकायत की। लोगों ने बताया कि उनके इलाके में सीवर की व्यवस्था सही नहीं है,जिस वजह से आए दिन सीवर के मेनहोल से गंदा पानी उगल रहा है। वहीं पानी की अनियमित सप्लाई से खासे परेशान है। कई बार पानी की सप्लाई न आने से उनको दूर दराज के क्षेत्रों में लगे हैंडपैम्पों के सहारे हलक तर करना पड़ता है। गलियों में बिजली के तारें लटक रही है। जिससे हमेशा दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है।

विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब

विधायक सर्राफ ने कहा कि सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकारी खजानों लबालब।वे सर्वजनी कथा लेकर आए। विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा सीएम नायब सिंह सैनी का भिवानी से विशेष लगाव है। वे भिवानी का चहुमुखी विकास करवा रहे हैं। पूरे जिले में विकास की गंगा बह रही है। विकास कार्यों को पूरा करवाने में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

बेनतीजा रही बैठक, दोनों पक्ष अड़े

- स्टाफ सदस्य और प्राचार्य के बीच चल रहे विवाद को लेकर अभिभावकों व ग्रामीणों ने आयोजित की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम के वीर शहीद ईश्वर सिंह पंघाल राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कुछ स्टाफ सदस्यों और प्राचार्य के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर बने विवाद के चलते रविवार को विद्यालय में एसएमसी सदस्यों तथा अभिभावकों की एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित लोगों ने कुछ स्टाफ सदस्यों तथा प्राचार्य दोनों पक्षों को सुना, इस दौरान भी स्टाफ सदस्यों तथा प्राचार्य के बीच गर्मागर्मी का माहौल पैदा हो गया, लेकिन उपस्थित ग्रामीणों ने बीचबचाव कर माहौल को शांत करवा दिया। तोशाम के राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय के प्राचार्य सुदेश यादव अपनी नेक कार्यशैली और अनुशासन के लिए तोशाम में काफी चर्चित हैं, लेकिन इसी विद्यालय के कुछ स्टाफ सदस्यों जयकुमार नाफरिया, रघुबीर सिंह आदि ने उनके ऊपर मनमानी के विभिन्न आरोप लगाते हुए संबंधित विभाग तथा ग्राम पंचायत को शिकायत की थी। रविवार को बैठक में दोनों पक्षों को ग्रामीणों द्वारा समझाया भी गया। परन्तु दोनों पक्ष अपनी जिद्द पर अड़े रहे।

तोशाम। आयोजित बैठक में संबोधित करता एक वक्ता। फोटो: हरिभूमि

ईश्वर शर्मा लगातार तीसरी बने बार जिला अध्यक्ष

- एटक का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

एटक का जिला स्तरीय सम्मेलन चिरंजीव कालोनी स्थित एटक कार्यालय में जिला अध्यक्ष ईश्वर शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सम्मेलन का संचालन फूल सिंह इंदौरा ने किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता राज्य महासचिव अनिल पवार एडवोकेट, राज्य सचिव अजय कुमार, राज्य कोषाध्यक्ष बलवीर कंबोज, सोनीपत एटक अध्यक्ष कर्ण सिंह, सुरेंद्र सिंह रोडवेज, मुकेश, अशोक कुमार आदि उपस्थित हुए। सबसे पहले भिवानी की तरफ से एटक के राज्य महासचिव तथा अन्य पदाधिकारियों के आगमन पर लोई भेट कर फूलमालाओं के साथ स्वागत किया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्य महासचिव अनिल पवार ने सभी को सम्मेलन की तथा नो जुलाई की कामयाब हड़ताल करने पर हार्दिक बधाई दी। अनिल पवार ने कहा कि आज श्रम कानूनों की खुले आम अवेहलना हो रही हे ठेकेदारी बढ़ती जा रही है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है ओर महंगाई ने तो कमर तोड़ रखी है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल दिखावा के सिवा कुछ नहीं कर रहे बल्कि मजदूरों कर्मचारियों के खिलाफ कानून बना रही है।

भिवानी। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सुरेंद्र सिंह उपप्रधान बने

सम्मेलन में सर्वसम्मति से जिले के पदाधिकारीयों का चुनाव हुआ जिसमें रोड़वेज से सेवानिवृत ईश्वर शर्मा को अध्यक्ष, बीटीएम यूनियन से रण सिंह को उपप्रधान, रोड़वेज से सुरेंद्र सिंह को उपप्रधान, बीटीएम यूनियन से अमरीश राय को महासचिव, रोड़वेज से ऋषि कुमार को सचिव, बीटीएम से कैलाश नारायण को सचिव, भवन निर्माण से चमेली देवी को सचिव, प्रचार सचिव रिटायर्ड कर्मचारी संघ, फूल सिंह इंदौरा को कोषाध्यक्ष बनाया गया। सुरेश मास्टर, रंग लाल, वीरेंद्र उर्फ मिंटू, मोनू, पूजा, सुमेर बाबू सदस्य चुना गया। नवचयनित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने विश्वास दिलाया कि वे जिले में एटक संगठन को मजबूत करेंगे और मजदूर,कर्मचारियों की मांगों की आवाज हमेशा उठाते रहेंगे।

महाराजा नीमपाल सिंह की 51 फीट की प्रतिमा बनेगी

अनंगपाल सिंह तोमर द्वितीय को किया नमन

- एक हजार सीट की लाइब्रेरी व संग्रहालय बनेगा : नेत्रपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को टाइयान पाना स्थित जालवाली परस में दिल्लीपति राजपूत सम्राट अनंगपाल सिंह तोमर द्वितीय की जयंती समारोह उत्साह एवं जोश के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय सम्मान ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष नेत्रपाल तंवर ने किया। जयंती समारोह के दौरान समारोह स्थल को महापुरुषों के तस्वीर से सजाया तथा राजपूत समाज के साथ-साथ सर्वसमाज ने राजपूत सम्राट अनंगपाल सिंह तोमर को नमन कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरूआत मां भवानी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके की गई। सर्वसमाज के लोगों ने राजपूत सम्राट को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर पुष्पांजलि दी। राजपूत सम्राट अनंगपाल तोमर के बारे में सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखे, जिसमे मुख्य रूप से सूबेदार रंजीत सिंह परमार कार्यवाहक प्रधान परमार 84 खाप, नरेश तंवर पार्षद प्रतिनिधि, डॉ. एसएस शीलवंत लेखक एवं निर्माता, मास्टर कर्मबीर सिंह तंवर अध्यक्ष स्वधर्म शोध संस्थान, विक्रांत तंवर संरक्षक सीएडब्ल्यूएस, कंवरपाल तंवर, प्रमोद महंत, उदयपाल परमार हिंडोल उपाध्यक्ष चरखी दादरी राजपूत प्रतिनिधि सभा, तेजपाल सिंह तंवर युवा जिलाध्यक्ष राजपा ने राजपूत सम्राट अनंगपाल सिंह तोमर द्वितीय के जीवन के बारे में प्रकाश डाला। बैठक में शिक्षा, परिवार, नेतृत्व, सामाजिक, संगठन, स्वरोजगार, राजनीतिक और सांस्कृतिक पर गहन चिंतन एवं मंथन हुआ। लगभग तीन घंटे चली बैठक में राजपूत समाज को नेतृत्व को सर्वोपरि रखने पर ध्यान देने पर जोर दिया।

भिवानी। राजपूत सम्राट अनंगपाल सिंह तोमर द्वितीय को श्रद्धांजलि देते हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

26 फरवरी 2026 से पहले पूरा किया जाएगा

राजपूत सभा में आयोजक नेत्रपाल तंवर ने भिवानी के संस्थापक महाराजा नीमपाल सिंह तंवर की एक 51 फीट की प्रतिमा, एक हजार सीटों की लाइब्रेरी व एक संग्रहालय बनाने का एक प्रस्ताव रखा, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पास कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। सभी ने फैसला लिया कि इन मांगों को जल्द ज्ञापन के तौर पर कमेटी को दिया जाए और आगे की प्रक्रिया पर जोर दिया जाएगा। आयोजकों ने फैसला लिया कि 26 फरवरी 2026 से पहले इसे पूरा किया जाएगा, जिसमे सर्वसमाज से सहयोग के तौर पर हर परिवार से तन मन धन और समय लिया जाएगा।

मंदिर में हुआ हवन-यज्ञ व भंडारा

- धार्मिक एवं वैज्ञानिक दोनों तरह से हवन का विशेष महत्व : पुजारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

दिनोद गेट स्थित सिद्धपीठ श्रीलाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर प्रांगण में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति रविवार को हवन-यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया। इस दौरान सैंकड़ों संतों एवं श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद चखा। मंदिर के पुजारी पंडित आनंद शास्त्री ने बताया कि श्रावण माह की शिवरात्रि के उपलक्ष्य में पिछले 14-15 वर्षो से लगातार सिद्धपीठ श्रीलाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर प्रांगण हवन-यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है। पुजारी ने बताया कि भंडारे के लिए मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालु इच्छानुसार दान करते है। पुजारी ने कहा कि हवन व पूजन की परिक्रमा करने से सभी प्रकार के मनोरथ पूर्ण होते हैं तथा क्षेत्र में कभी भी अकाल और महामारी का प्रकोप नहीं होता। उन्होंने कहा कि हिंदु संस्कृति में संत-महात्माओं का आर्शीवाद भगवान के दर्शन के बराबर हैं। इसीलिए हमे सभी संतों का सत्कार करना चाहिए। साथ ही हिंदु संस्कृति में हवन का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि एक तो हवन से नकारात्मकता दूर होती है, वहीं हवन से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाता हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे प्राचीनतम ऋगवेद में हवन के बारे में वैज्ञनिक भी मानते है।

भिवानी। सिद्धपीठ श्रीलाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर में हवन में आहुति डालते श्रद्धालु।